

अब आसानी से गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु पहुंचेगा सामान

■ बुलंदशहर में डीएफसीसी के ईस्टर्न कॉरिडोर पर न्यू गुलावठी गति शक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआईएल) के ईस्टर्न कॉरिडोर पर बुलंदशहर में न्यू गुलावठी गति शक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू हो गया है। बृहस्पतिवार को डीएफसीसी के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने इसका शुभारंभ कर बुलंदशहर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के औद्योगिक सेक्टरों को बड़ी सौगात दी है। टर्मिनल शुरू से अब महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु तक सामान भेजना और मंगवाना आसान हो जाएगा। अभी तक कॉरिडोर से सीधी कनेक्टिविटी नहीं थी।

पिछले साल डीएफसीसी के ईस्टर्न और वेस्टर्न कॉरिडोरों पर मालगाड़ियों का संचालन शुरू हो गया था। इस बीच केंद्र सरकार ने गति शक्ति टर्मिनल बनाने पर काम शुरू किया। ग्रेटर नोएडा में दो और बुलंदशहर में एक टर्मिनल बनना है। डीएफसीसी के ईस्टर्न कॉरिडोर पर बुलंदशहर में टर्मिनल शुरू हो गया है। जो पश्चिम उत्तर प्रदेश का नया लॉजिस्टिक हब होगा। अब बुलंदशहर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद की बंदरगाहों से सीधी कनेक्टिविटी हो गई है।

डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने उद्घाटन करने के बाद टर्मिनल शुरू होना लॉजिस्टिक्स की

एक माह में 40 रैक भेजने का लक्ष्य

डीएफसीसी के अफसरों ने बताया कि नया टर्मिनल नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर और गाजियाबाद सहित आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा। यहां से हर महीने लगभग 40 रैक माल दुलाई का लक्ष्य रखा गया है, जिससे उद्योगों को तेज, किफायती और भरोसेमंद लॉजिस्टिक सुविधा मिल सकेगी।

■ कॉरिडोर नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद के औद्योगिक सेक्टरों के लिए साबित होगा वरदान

अफसरों ने बताया कि न्यू गुलावठी टर्मिनल राष्ट्रीय राजमार्ग-334 से सीधे जुड़ा हुआ है। इससे हापुड़, बुलंदशहर और मेरठ तक आसानी से पहुंच सकेंगे। वहीं ईस्टर्न

बेहतर होगी कनेक्टिविटी

एमएसएमई सेक्टर के लिए खास:

अफसरों ने बताया कि स्टील, सीमेंट, खाद्यान्न, केमिकल, प्लास्टिक, इलेक्ट्रानिक्स, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और एफएमसीजी जैसे क्षेत्रों के लिए यह टर्मिनल बेहद उपयोगी होगा। एमएसएमई सेक्टर को अब अपने उत्पादों के परिवहन के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं होगी।

सैकड़ों युवाओं को मिलेगा रोजगार :

टर्मिनल से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। परिवहन, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक सेवाओं में बड़ी संख्या में नौकरियों के अवसर पैदा होंगे, जिनमें स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कार्गो टर्मिनल। डीएफसीसीआईएल

कार्यक्षमता को बेहतर बनाने, परिवहन लागत को कम करने और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अप्रैल 2025 में प्रोजेक्ट मिला था और जनवरी 2026 में काम पूरा कर लिया गया। करीब 11.40 करोड़ की लागत से 12.64 एकड़ जमीन पर टर्मिनल बना है। यहां पर कंटेनर हैंडलिंग, आधुनिक वेयरहाउसिंग, आसान और

व्यवस्थित लोडिंग-अनलोडिंग व्यवस्था और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। टर्मिनल पर 750 मीटर लंबी माल-हैंडलिंग लाइन है। जो लंबी मालगाड़ियों को समायोजित करेगा। दो प्लेटफॉर्म हैं, जहां माल की कुशल लोडिंग और अनलोडिंग के लिए पर्याप्त जगह है। सामान को भेजना आसान होने के साथ समय और लागत दोनों की बचत भी होगी।